







सम्पादकीय

## जीडीपी का गिरना...

इस समय पूरी दुनिया अनुचाहे आर्थिक संकट की कगार पर खड़ी दिखाई दे रही है। हाँ ताकि हम आंकड़ों में तो कम से कम कई देशों की आर्थिक स्थिति से बेहतु दिखाई दे रही है, फिर भी मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही यानि अक्टूबर से दिसंबर में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों का कम होना चिंताजनक भी है और विचारणीय भी। पिछले साल के मुकाबले यह वृद्धि आधी ही है, सो हमें इस तरफ कुछ ज्यादा ही ध्यान देना होगा।

आंकड़ों की बात करें तो देश में इस तिमाही में ग्रोथ मात्र 4.4 प्रतिशत रही, जबकि दूसरी तिमाही यानि जुलाई से सितंबर की अवधि में जीडीपी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतारी दर्ज की गई थी और पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 13.5 फीसदी थी। तीसरी तिमाही में इसमें कुछ कमी का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन विशेषज्ञों में लगभग सर्वसम्मति थी कि गिरकर भी यह 4.7 फीसदी तक रहेगा।

तीसरी तिमाही के आंकड़े कम रहने का सीधा मतलब यह माना जा सकता है कि इस पूरे वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी में बढ़ोतारी के जो अनुमान लगाए गए थे, उनका पूरा होना मुश्किल हो जाएगा। एकदम दो या तीन गुना वृद्धि आसान नहीं होगी। हालांकि सालाना 7 प्रतिशत बढ़ोतारी के इस अनुमान में अभी कोई संशोधन नहीं किया गया है। लेकिन अगर इसे पूरा किया जाना है तो वित्तीय वर्ष की अधिकारी तिमाही यानि जनवरी-मार्च 2023 के दौरान में 5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ना होगा। और मौजूदा परिस्थितियों में यह लक्ष्य हासिल करना खासा चुनौतीपूर्ण लगता है। जीडीपी की एक रासाने में लगातार दो तिमाहियों की यह कमी ऐसे समय आई है, जब ग्लोबल स्लोडाउन और मंदी की आशकाओं के बीच भारत को एक ब्राइट स्पॉट यानी चक्रमदार बिंदु के रूप में रेखांकित किया जा रहा है।

इस धीमी रफतार का बड़ा कारण महाराष्ट्र का कूकरने के लिए व्याज दरों में लगातार की गई बढ़ोतारी को प्रमुख माना जा रहा है। इसका पहले ही अनुमान लगाया गया था। मौजूदा वैश्विक और राष्ट्रीय परिवृश्टि में इस नीति के तत्काल पलटने के आसार भी नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र का दबाव अभी भी बना हुआ है। दूसरी बात यह कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का सिक्कुड़ा जारी है, जबकि हम आत्मनिर्भर देश की बात कर रहे हैं और एमएसएम्सी सेक्टर में अनेक संभवानाओं का दावा किया जा रहा है। इस तिमाही में इस सेक्टर की बढ़ोतारी साल-दर-साल अधिक पर 1.1 प्रतिशत दर्ज की गई, जो उपभोक्ता मांग की कमज़ोरी को दर्शाता है। एक अच्छी बात यह है कि कृषि क्षेत्र की ग्रोथ अच्छी बनी हुई है। तीसरी तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि पूरे वित्तीय वर्ष के लिए यह अनुमान 3.3 प्रतिशत काहा है।

इसके बाबत यह धीमा धारणा जरूरी है कि यह अनुमान इस धारणा पर अधारित है कि यह की फैसल जबर्दस्त होगी, यानी तापमान बढ़ने जैसे किसी कारक का प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा। यह धारणा कितनी सही है, इसका पता तभी चलेगा जब फसल कटने का वक्त आएगा। वैसे तापमान को लेकर कोई सही भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। फसल बढ़ाव हो सकती है, लेकिन सरकार की ओर से फसलों के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं दिया जा रहा है और कई राज्यों में किसानों को समय पर खाद- बीज तक उपलब्ध नहीं कराया जाता है।

देखा जाए तो महाराष्ट्र के बाद से ही अर्थव्यवस्था में निवेश का काम मुख्यतया सरकार की ही ओर से हो रहा है, लेकिन जब तक निजी क्षेत्र की ओर से इसमें बढ़ोतारी नहीं होती, तब तक ग्रोथ में मजबूती नहीं आएगी। यह तभी होगा, जब कंस्यूलर डिमांड में रिकवरी हो। यानि उपभोक्ता की मांग बढ़े। सबसे बड़ी बात यह कि मैन्युज़ेरिया द्वालात में व्याज दरों में कमी की दर्ज की गई है। जीडीपी की एक रासाने में लगातार दो तिमाहियों की यह कमी ऐसे समय आई है, जब ग्लोबल स्लोडाउन और मंदी की आशकाओं के बीच भारत को एक ब्राइट स्पॉट यानी चक्रमदार बिंदु के रूप में रेखांकित किया जा रहा है।

यहां सबसे बड़ी बाधा बैंक लोन की व्याज में लगातार वृद्धि है, और एक सचाई यह भी है कि हमारे देश में लोग खरीदारी भी कर्ज लेकर ही करते हैं, क्योंकि उनकी आपदानी उनकी मांग या जबरूत के लिए बाबत से नहीं है। सरकार इस बात पर खुश होती रहती है कि देश में मध्यमवर्गीय लोगों की आय बढ़ रही है, जबकि न तो मध्यमवर्गी की आय बढ़ रही है और न ही उन्हें कंजंग से गहरत मिल पायी है। अम आदमी के आय के स्रोत कर्तन नहीं बढ़ रहे हैं, अमीर अधिक अमीर हो रहे हैं, गरीब और गरीब जब तक इस खाई को नहीं पाया जाता और सही मायने में मध्यम वर्ग को उत्तरी रोजगार नहीं मिलता, तब तक देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर नहीं माना जा सकता।

## रवीन्द्र जैन

मप्र जल संसाधन विभाग में रिटायरमेंट के बाद पांच वर्ष तक लगातार एक्सटेंसन लेकर ईएनसी रहे। मदन गोपाल चौबे के अब बुरे दिन शुरू हो गये हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण व्यूपो ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करके राज्य सरकार से चालान पेश करने की अनुमति मांगी है। चौबे जल संसाधन विभाग में तकालीन एसीएस (वरिष्ठ ईएनएस) के राजदार थे। वे पूरे 5 वर्ष विभाग के विरष्ट अधिकारियों का हक मारकर ईएनसी की कुर्सी पर एक्सटेंसन लेते रहे हैं। विभाग के अनेक लोगों की बुआएं उनके साथ हैं।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करके राज्य सरकार से चालान पेश करने की अनुमति मांगी है। चौबे जल संसाधन विभाग में तकालीन एसीएस (वरिष्ठ ईएनएस) के राजदार थे। वे पूरे 5 वर्ष विभाग के विरष्ट अधिकारियों का हक मारकर ईएनसी की कुर्सी पर एक्सटेंसन लेते रहे हैं। विभाग के अनेक लोगों की बुआएं उनके साथ हैं।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज की है। चौबे फिलहाल जबलपुर छोड़कर भोपाल आकर बस गये हैं। उन पर गिरफतारी की तलवार लटक गई है। अब मंत्रालय में चर्चा है कि भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए। रेती के हिसाब से बुधवार रात्रि रेती को हिसाबसे लेकर पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। रेती पर जल संसाधन विभाग की सबसे बड़ी टेक्कीदार कंपनी मंदिराना समझ से रिश्वत में मोटी रकम लेने, कंपनी के प्राइवेट प्लैन में घूमने और हवालात के जरिये अपने बेटे को रकम दिलाने के आरोप हैं। इसे उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज की है। चौबे फिलहाल जबलपुर छोड़कर भोपाल आकर बस गये हैं। उन पर गिरफतारी की तलवार लटक गई है। अब मंत्रालय में चर्चा है कि भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए। रेती के हिसाब से बुधवार रात्रि रेती को हिसाबसे लेकर पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। रेती पर जल संसाधन विभाग की सबसे बड़ी टेक्कीदार कंपनी मंदिराना समझ से रिश्वत में मोटी रकम लेने, कंपनी के प्राइवेट प्लैन में घूमने और हवालात के जरिये अपने बेटे को रकम दिलाने के आरोप हैं। इसे उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज की है। चौबे फिलहाल जबलपुर छोड़कर भोपाल आकर बस गये हैं। उन पर गिरफतारी की तलवार लटक गई है। अब मंत्रालय में चर्चा है कि भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए। रेती के हिसाब से बुधवार रात्रि रेती को हिसाबसे लेकर पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। रेती पर जल संसाधन विभाग की सबसे बड़ी टेक्कीदार कंपनी मंदिराना समझ से रिश्वत में मोटी रकम लेने, कंपनी के प्राइवेट प्लैन में घूमने और हवालात के जरिये अपने बेटे को रकम दिलाने के आरोप हैं। इसे उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज की है। चौबे फिलहाल जबलपुर छोड़कर भोपाल आकर बस गये हैं। उन पर गिरफतारी की तलवार लटक गई है। अब मंत्रालय में चर्चा है कि भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए। रेती के हिसाब से बुधवार रात्रि रेती को हिसाबसे लेकर पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। रेती पर जल संसाधन विभाग की सबसे बड़ी टेक्कीदार कंपनी मंदिराना समझ से रिश्वत में मोटी रकम लेने, कंपनी के प्राइवेट प्लैन में घूमने और हवालात के जरिये अपने बेटे को रकम दिलाने के आरोप हैं। इसे उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज की है। चौबे फिलहाल जबलपुर छोड़कर भोपाल आकर बस गये हैं। उन पर गिरफतारी की तलवार लटक गई है। अब मंत्रालय में चर्चा है कि भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए। रेती के हिसाब से बुधवार रात्रि रेती को हिसाबसे लेकर पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। रेती पर जल संसाधन विभाग की सबसे बड़ी टेक्कीदार कंपनी मंदिराना समझ से रिश्वत में मोटी रकम लेने, कंपनी के प्राइवेट प्लैन में घूमने और हवालात के जरिये अपने बेटे को रकम दिलाने के आरोप हैं। इसे उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दे दी जाए।

जबलपुर ईओडब्ल्यूने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज की है। चौबे फिलहाल जबलपुर छोड़कर भोपाल आकर बस गये हैं। उन पर गिरफतारी की तलवार







# भोपाल-इंदौरमें 1108 रुपएका हुआसिलेंडर



भोपाल। केंद्र सरकार ने घोलूर सोई गैस सिलेंडर के रेट 50 रुपए बढ़ा दिए हैं। मध्यप्रदेश के सभी शहरों में सिलेंडर की कीमत 1100 रुपए के पार हो गई है। भोपाल में अब 1108 रुपए पैसे में एक सिलेंडर मिलगा। इंदौर में रेट 1131 रुपए हो गए हैं।

प्रदेश में सबसे महांग सिलेंडर मौजा, भिंड और ग्वालियर में मिलता है। कई शहरों में वृद्धि ज्यादा हुई है। डिपो से ज्यादा दूरी और ट्रांसपर्ट खर्च बढ़ने के कारण ऐसा हुआ है। रट बढ़ने के बावजूद एक रुपये सिलेंडर भी शुरू हो गई है। इसे लोकर विधानसभा के बजट सत्र में होमांग भी हो चुका है। कांग्रेस ने इसे चुनावी मुद्दा बना लिया। कांग्रेस ने अपनी सरकार बनने पर सिलेंडर 500 रुपए में देने का वादा किया है।

रसेंगे गैस के रेट 10 महीने में तीसरी बार बढ़े हैं। इस दौरान करीब ढेंसी रुपये महांग हुआ है। भोपाल की बात करें तो पिछले साल मई और जून में 53-53 रुपए की बढ़ोतारी हुई थी। इसके बाद जुलाई में सिलेंडर के रेट 1058 रुपए 50 पैसे हो गए थे। हालांकि, एक बार साढ़े 3 रुपए की गिरावट भी हुई थी। 1 मार्च को तीसरी बार बढ़ोतारी हुई।



कहते हैं 1000 रुपए देंगे, महंगाई मिली: कमलनाथ

सिलेंडर के रेट बढ़ने के बाद कांग्रेस इसे चुनावी मुद्दा बना रखी है। कांग्रेस विधायकोंने बुखार को सिलेंडर को लोकर विधानसभा में जमकर हांगामा किया था। चुनाव जीतने पर 500 रुपए में सिलेंडर देने की बात भी कही थी। 1 मार्च को मध्यप्रदेश की रियाराज सरकार के चौथे कार्यकाल का आखिरी बजट विधानसभा के पटन पर रखा गया। कांग्रेस के कई विधायक सिलेंडर के पोस्टर लेकर विधानसभा में पहचे थे। पर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, वे करते हैं कि महिलाओं को 1000 रुपए देंगे, लेकिन गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए। 50 रुपए सिलेंडर के दाम बढ़ाने की महंगाई मिली है। कांग्रेस विधायक कुगाल चौथी ने कहा, 400 रुपए की गैस की टंकी इन्हें डायन दिखाकरती थी। आज 1100-1200 रुपए की गैस टंकी इन्हें विकास दिख रही है।

## निष्पाण-जीर्ण शरीर, शिक्षा और विज्ञान की अमृत्यु सेवा कर सकता है

राजेश मल्होत्रा पीआईबी के पीडीजी और प्रिया कुमार डीजी डीजी न्यूज नियुक्त



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राजेश मल्होत्रा को प्रेस इनफ्रारेशन ब्यूरो का नया प्रिसिपल डायरेक्टर जनरल नियुक्त किया है। मल्होत्रा, संस्थें प्रकाश के स्थान पर नियुक्त किए गए हैं जो कल रिटायर हो गए। मल्होत्रा भारत सरकार के प्रिसिपल स्पॉक्स पर्सन रहे और प्रिसिपल डायरेक्टर जनरल के प्रभार का नया रोल आज 1 मार्च से शुरू करेंगे। इसी के साथ मर्याद अग्रवाल के रिटायर होने पर प्रिया कुमार को नया डायरेक्टर जनरल डीजी न्यूज नियुक्त किया गया है।

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्घान में आंवला, चंपा और नीम का पौधा लगाया। श्री चौहान के साथ अधिकारी भारतीय क्षत्रिय लोगों के प्रतिनिधियों ने अपने सामाजिक संघरण के 21 वर्ष पूर्व होने पर पौधांश किया। समाज के विष्णु राम, डॉ. जी.आर. अडलक, डॉ. राजेश लिखितकर, सुरेंद्र थोरे, कृष्ण लिखितकर, कमल चंदोकार, जयते महाले, नीलेश देशमुख, और जी आर कामतकर ने पौधे लगाए।

## बैगा के कार्यक्रम में शहडोल कमिश्नर भी मरती में झूमे

शहडोल। बैगा जनजाति का रांगांग करमा महोत्सव ग्राम जराह में आयोजित किया गया। कमिश्नर राजीव शर्मा ने इस अवसर पर बैगा जनजातीय संस्कृति पर आधारित करमा नव्य किया। उन्होंने कहा कि बैगा समाज के लोग देश की संस्कृति के रक्षक हैं। शासन और प्रशासन बैगा समाज के साथ हैं। बैगा समाज शिक्षा, व्यवसाय, कृषि और अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करे।

उन्होंने कहा कि बैगा समाज के जो लोग विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ गए हैं, उनका कर्तव्य है कि डगरों जो जनजातीय समाज के भाग किसी कारण से आगे बढ़ सके, उनको हम कहें कि भाई घबराओं भी भत्ता हम तुम्हारे साथ हैं। मध्यप्रदेश शासन, प्रशासन तथा भारत का सारा समाज बैगा समुदाय के लोगों के साथ है, तथा उन्हें आगे बढ़ा रखा है। कमिश्नर शहडोल सभाग में कहा है कि बैगा समाज के लोग योद्धा हैं, जो हमारे देश की संस्कृति के रक्षक हैं। राजीव शर्मा ने कहा कि यह छोटी बात नहीं है कि अर्जुन सिंह को भारत के राष्ट्रिय द्वारा पायाए जाए समानित किया गया। यह भी गवर्नर की बात है कि उन्हियां जिते की निवासी जुहूइयां बाईं बैगा को 26 जनवरी के अवसर पर बैगा विरकला के लिए पद्धति से समानित किया गया। उन्होंने कहा कि बैगा समाज के उन लोगों को मैं प्रशंसा करता हूं, जो बैगा समाज के लोगों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं तथा कार्यक्रम में आए। युवा साधियों की भी भी प्रशंसा करता हूं, जो समाज को आगे बढ़ाने तथा जानकारी की प्रशंसा कर रहे हैं।



यह वाक्य कई जगह लिखा मिल जाता है। लेकिन आज हम जिनकी बात कर रहे हैं, वह इसके एकदम विपरीत है भोपाल के हवालने परियार ने एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है। जुलाई 2021 में श्रीमती सुरेखा हवालने का नियुक्त हुआ तो पर्जनों ने देहदान करवाया। यह कार्य सुरेखा जी

- कहते हैं कि 'मंजिल तो तेरी यहाँ थी, इतनी देर लगा दी आते-आते,
- क्या निला तुझे जिंदगी से, अपनों ने ही जला दिया जाते-जाते'

की इच्छा का सम्मान था और समाज में एक प्रेणाद्याक उत्तम कार्य था। सच यह है कि किसी परिजन की मृत्यु परियार ने कई ब्रह्मणी हो गई है जो दुखद और असहीय भी होती है, बाबूजूद इसके अग्र परियार ने दुख के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

सुरेखा जी को देह का दाम उनके परियार ने देहान की उनके संकल्प में रहात होती रही थी। कई बार तो उनका देहान का संकल्प लिया था तो उनके में किया गया था। आज आनंद हवालने जी नहीं रहे। उन्होंने देहान का संकल्प लिया था तो उनके ब्रह्मणी ने देहान की उनके संकल्प का अवश्यक आग्रह करते हुए उनका पाथिंश शरीर भी निजी चिकित्सा में जानकारी लेती थी। वे एक सहज स्वरूप के खुशिमिजाज व्यक्ति थे जो कई बार बातचीत में कलात्मक का सम्मान करते हुए उनका पाथिंश शरीर भी निजी चिकित्सा में जानकारी लेती थी। पर अब विज्ञान की प्रातिक का साथ-साथ यह भी देह भी आमंत्रित करती है।

एक अमृत देहानने जनसंपर्क विभाग मध्यप्रदेश शासन में फिल्म अधिकारी के पद पर रहे। जनसंपर्क में रहात हुई कई ब्रह्मणी ने देहान की मृत्यु परियार ने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है। उनके देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है। उनके देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है। उनके देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

देहान का अर्थ है 'देह का दाम'।

अर्थात् जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।

जीवन की उन्होंने देहान की उनीं ब्रह्मणी के आगे समाज का द्वितीय रुप देता है।